



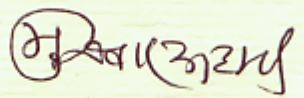
साझी दुनिया  
Saajhi Duniya

प्रकाशनार्थ

संजीव भट्ट की रिहाई की मांग

लखनऊ- 3 अक्टूबर, 2011- गुजरात के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी के साम्प्रदायिक, फासीवादी चरित्र को सुस्पष्ट तरीके से बेनकाब करने वाले पुलिस अधिकारी संजीव भट्ट की अवैधानिक गिरफ्तारी व उन्हें बदनाम करने की साजिश, उनके घर की तालाशी तथा परिवार के सदस्यों को भी प्रताड़ना पहुँचाने की कार्यवाही की लखनऊ के समाजसेवी, सांस्कृतिक एवं जन संगठनों ने कड़ी भर्त्सना करते हुए संजीव भट्ट की अविलम्ब रिहाई तथा सरकार की बर्खास्तगी की मांग की है।

यहाँ जारी एक संयुक्त प्रेस वक्तव्य में साझी दुनिया की सचिव रूपरेखा वर्मा, इप्टा के महामंत्री राकेश, प्रगतिशील लेखक संघ के अध्यक्ष मंडल के सदस्य वीरेन्द्र यादव, महिला फेडरेशन की महासचिव आशा मिश्रा, जनवादी महिला समिति की महासचिव मधु गर्ग, कलम विचार मंच के संयोजक नदीम हसनैन, लोकापत के दीपक कबीर, नीपा की मृदुला भारद्वाज, डाक्यूमेन्टरी फिल्म निर्माता बीजू मोहन ने गिरफ्तारी के विरोध में गुजरात में जन संगठनों द्वारा चलाए जा रहे आन्दोलन के प्रति एकजुटता व्यक्त की है। संगठनों के प्रतिनिधियों का मानना है कि गोधरा कांड के बाद के मुसलमानों के नरसंहार में नरेन्द्र मोदी एवं पुलिस प्रशासन की भूमिका के बारे में पहले से ही सबको पता था, संजीव भट्ट ने इस भूमिका को प्रमाण सहित उजागर करने का साहस किया है तथा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित विशेष जांच दल के सामने गुलबर्ग सोसायटी व नरोदा पटिया में हुए हमलों में मोदी की संलिप्तता के दस्तावेज भी प्रस्तुत किए हैं। जिसके कारण वह खुद भी मोदी के शिकार हुए हैं। संगठनों का मानना है कि मोदी सरकार पूरी तरह अलोकतांत्रिक एवं असंवैधानिक तरीके से काम कर रही है जिसे तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए। सभी संगठन संयुक्त रूप से इस मामले पर सामूहिक धरना एवं प्रदर्शन भी आयोजित करेंगे।

  
रूपरेखा वर्मा (रूपरेखा वर्मा)

सचिव